6

पिता का पत्र पुत्री के नाम

28/6/21

... अपनी पुत्री इंदिरा को क्या आशीर्वाद दिया ?

3. **सही उत्तर पर ✓ लगाओ–** पाठ-6 पुस्तक अभ्यास 29/6/21

क. महान उद्देश्य की पूर्ति के लिए सभी लोगों में क्या भर जाता है?

i. क्रोध ☐ ii. असीम उत्साह ✓ iii. चिंता ☐

ख. निश्चय करना कैसा कार्य नहीं है?

i. सरल ✓ ii. मुश्किल ☐ iii. विचित्र ☐

ग. किसी बात को छिपाने की इच्छा कब होती है?

i. जब काम गलत हो ✓

ii. काम सही हो ☐

iii. जिसे करके हानि हो ☐

4. **नीचे लिखे वाक्यों को ध्यानपूर्वक पढ़ो और उनके सामने सही अथवा गलत का चिह्न लगाओ।**

क. यह पत्र इंदिरा जी ने अपने पिता को लिखा था। ✗

ख. इंदिरा बचपन में 'जॉन ऑफ़ आर्क' की तरह बनना चाहती थीं। ✓

ग. विशेष परिस्थितियों में साधारण पुरुष वीर बन जाते हैं और स्त्रियाँ वीरांगनाएँ। ✓

घ. नेहरू जी अपनी पुत्री इंदिरा को कमज़ोर बनाना चाहते थे। ✗

ङ. किसी बात को छिपाने की इच्छा तभी होती है, जब हम कोई सही काम करते हैं। ✗

इन पर विचार करो

1. 'क्या करें और क्या न करें'— इस बात का निश्चय करने के लिए नेहरू जी द्वारा बताए गए उपा क्या आप सहमत हैं? यदि हाँ, तो क्यों? अपने विचार लिखिए।
2. क्या आपने कभी कोई काम बड़ों से छिपकर किया है और जिसके पता चल जाने पर आपको लज्जि होना पड़ा हो? अपने अनुभव लिखो तथा मित्रों को बताओ।

प्रशंसा-योग्य

- कई बार हम संदेह में पड़ जाते हैं कि क्या करें, क्या न करें। यह निश्चय करना सरल नहीं है। जब तुम्हें ऐसा संदेह हो, तो ठीक बात का निश्चय करने का छोटा-सा उपाय है। तुम कोई भी ऐसा का करना, जिसे दूसरों से छिपाने की इच्छा तुम्हारे मन में उठे। किसी बात को छिपाने की इच्छा तभी है, जब हम कोई गलत काम करते हैं। बहादुर बनो और सब कुछ स्वयं ही ठीक हो जाएगा। यदि बहादुर बनोगे तो ऐसी कोई बात नहीं करोगे, जिससे तुम्हें डरना पड़े या लज्जित होना पड़े।

जानी-अनजानी बातें

क्या आप जानते हैं?

1. प्राचीन काल में कबूतर संदेश लाने-ले जाने का कार्य किया करते थे। कबूतरों को इसके लिए वि प्रशिक्षण दिया जाता था। कबूतरों की विशेषता है कि वे कहीं भी छोड़ दिए जाएँ, अपने घर अवश्य पहुँच जाते हैं। कबूतरों की इसी विशेषता के कारण संदेशवाहक के रूप में इनका उप किया जाता था।

2. भारतीय डाक-सेवा दुनिया की सबसे बड़ी व सस्ती डाक-सेवा है।

3. पोस्टल इंडेक्स नंबर यानी पिन, हर जगह का अपना एक पिनकोड होता है। इससे डाक छाँटने वाले कर्मचारियों को पत्र के गंतव्य स्थान का पता चलता है और पत्र जल्दी बाँटे जा सकते हैं। पिनकोड की शुरुआत 15 अगस्त, 1972 को हुई थी। पिनकोड 6 नंबर का होता है। उदाहरण के लिए : 110085।

भाषा से

श्रुतलेख

शुभकामनाएँ, आशीर्वाद, उद्देश्य, नेतृत्व, स्वतंत्रता, स्त्रियाँ, वीरांगनाएँ

1. ऐसे शब्दांश, जो शब्द के पहले लगकर शब्द का अर्थ बदलते हैं; **उपसर्ग** कहलाते हैं।
जैसे—वि (उपसर्ग) + चित्र (तस्वीर) = विचित्र (अनोखा)।

उदाहरण समझो और उपसर्ग से नए शब्द बनाओ—

उपसर्ग		शब्द		निर्मित शब्द	अर्थ
प्रति	+	दिन	=	प्रतिदिन	हर दिन
उप	+	हार	=	उपहार	तोहफा/भेंट
नि	+	डर	=	निडर	बिना डरे
वि	+	भिन्न	=	विभिन्न	अलग
अ	+	भाव	=	अभाव	कमी/भाव न होना

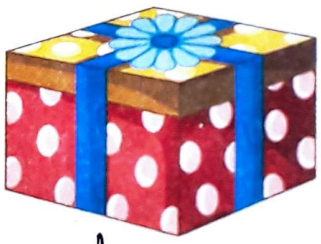

2. **विशेषण के लिए उचित विशेष्य पर ✓ लगाओ—**

असीम	—	उत्साह	✓	आशा	☐
महान	—	भवन	☐	उद्देश्य	✓
वीरांगना	—	बालक	☐	स्त्री	✓
बहादुर	—	सिपाही	✓	निश्चय	☐
छोटा	—	विश्वास	☐	उपाय	✓

3. **नीचे दिए शब्दों में अनुस्वार (ं) और अनुनासिक (ँ) का यथास्थान प्रयोग करके पुनः लिखो**

शुभकामनाएँ, में, फैंसे, आंदोलन, आँख, संदेह, स्वतंत्रता, स्वयँ, पहुँचे

प्रस्तावित गतिविधियाँ

1. पत्र-लेखन

पत्र दो प्रकार के होते हैं–

पत्र

औपचारिक पत्र	**अनौपचारिक पत्र**
✓ स्कूल के प्रधानाचार्य को पत्र	प्रियजनों को पत्र
✓ अखबार के संपादक को पत्र	मित्रों को पत्र
	रिश्तेदारों को पत्र

HW

नीचे दिए गए **अनौपचारिक पत्र** के प्रारूप को देखो और समझो– Do it in notebook

✓ इस पत्र के माध्यम से अपने मित्र को जन्मदिन की शुभकामनाएँ दो।

(प्राप्तकर्ता का पता)

42 - बी यमुना विहार

दिल्ली - 53

दिनांक 24 जून 2021

प्रिय मित्र आशीष

नमस्ते

हम सभी यहाँ कुशलपूर्वक हैं। मुझे अच्छी तरह याद है कि तुम्हारा जन्मदिन 3 जुलाई को है। मैं तुम्हारे जन्मदिन पर नहीं आ पाऊँगा। पाऊँगी। मेरी ओर से जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएँ। आँटी-अंकल को प्रणाम। अपना जन्मदिन हँसी-खुशी मनाओ।

तुम्हारा मित्र

राम

यह भी जानो

- पत्र की भाषा सरल और स्वाभाविक होनी चाहिए।
- अपनी बात संक्षेप में लिखनी चाहिए।
- पत्र का उद्देश्य स्पष्ट होना चाहिए।
- पत्र लिखने के नियमों का पालन करना चाहिए।

2. अनुमान लगाओ कि डाकिये को किस-किस तरह की दिक्कतों का सामना करना पड़ता होगा?
3. अगर तुम किसी को चिट्ठी लिख रहे हो, तो पते में यह जानकारी किस क्रम में लिखोगे?
   गली/मोहल्ले का नाम, घर का नंबर, राज्य का नाम, कस्बे/शहर/गाँव का नाम, ज़िले का नाम, प्राप्तकर्ता का नाम

   दिए गए पोस्ट कार्ड पर अपना पता सही क्रम से लिखो– H.W

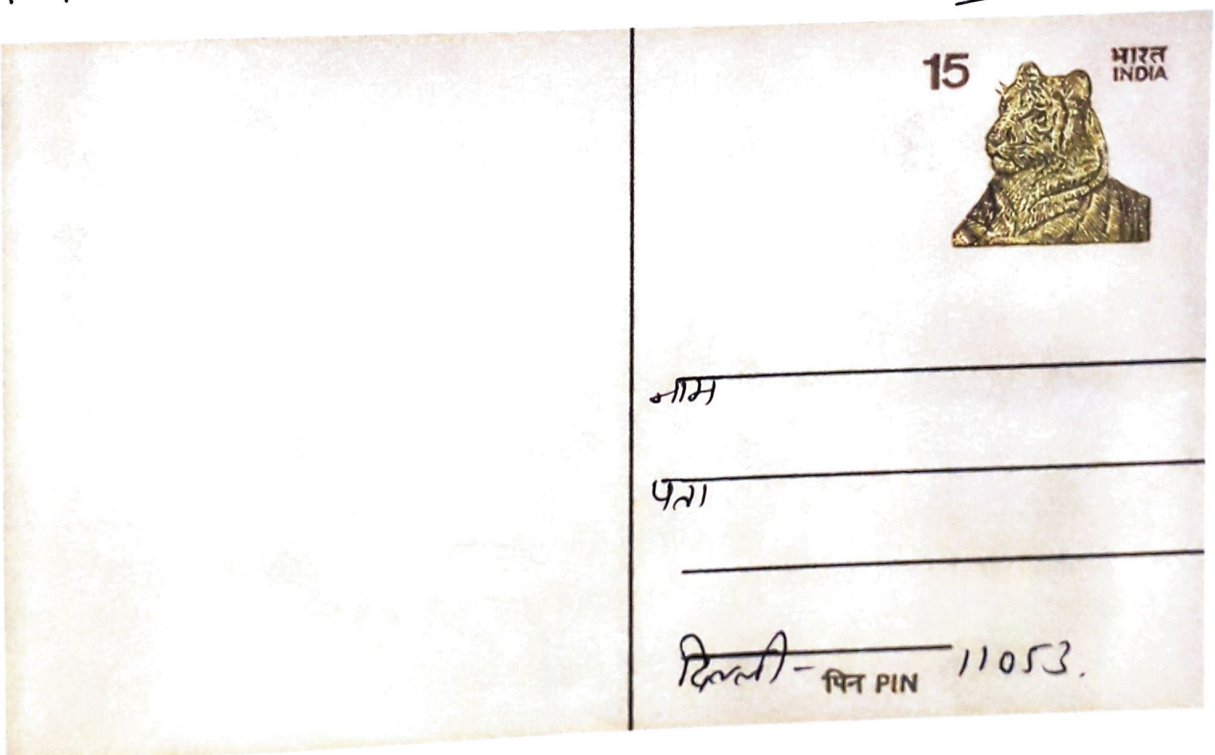

हमने क्या सीखा

1. यदि किसी काम को करने से पहले भय का अनुभव हो या उसे छिपाने का विचार मन में आए, तो समझ लेना चाहिए कि वह कार्य सही नहीं है।
2. पत्र संदेश भेजने का एक सशक्त माध्यम है।